विवाह की पुष्टि हेतु शपथ पत्र
(वर–वधु द्वारा अलग–अलग पाई पेपर पर नोटेरी से सत्यापित करवाने है।)

मैं.....पुत्र/पुत्री श्री.....जाति.....उम्र.....निवासी (पूर्ण पता पिता का).....शपथ पूर्वक बयान करता/करती हूँ किः–

1. यह है कि मेरा विवाह श्री/श्रीमती.....पुत्र/पुत्री श्री.....निवासी (पूर्ण पता पिता का)..... के साथ विवाह स्थल (पूर्ण पता विवाह स्थल का).....जिला.....राज्य.....में दिनांक..... को सम्पन्न हुआ थाः–

(A) विवाह स्थल आपके क्षेत्राधिकार में आता है अतः मेरा विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया जावे।

अथवा

(B) विवाह स्थल आपके क्षेत्राधिकर में नही आता है लेकिन आवेदन के समय में आपके क्षेत्राधिकार में मेरी पत्नी श्रीमती...../मेरे पति श्री.....के साथ निवास (पूर्ण पता)..... पर रह रहा/रही हूँ अतः निवास स्थान के आधार पर मेरा विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया जावे।

(A एवं B में से आवश्यकतानुसार कोई एक टाइप करावें)

2. यह है कि अनिवार्य विवाह पंजीयन लागू होने से पूर्व मेरा विवाह होने के कारण आज दिनांक (आवेदन की दिनांक अंकित करें).....से पहले कही भी विवाह स्थल एवं निवास स्थान के आधार पर विवाह पंजीयन कराकर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र नही लिया है ना ही कही आवेदन किया है। अब मुझे विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। वर्तमान में मैं और मेरी पत्नी श्रीमती..... /मेरे पति श्री.....वैवाहिक दम्पति के रूप में साथ–साथ उपरोक्त पते पर रह रहे है। यहाँ से विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र लेने के बाद और किसी जगह से विवाह पंजीयन कराकर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र नहीं बनवाऊँगी। भविष्य में विवाह पंजीयन हेतु कही भी आवेदन नही करूगां/करूंगी।
3. यह है कि दिनांक (विवाह के एक दिन पहले की दिनांक अंकित करें).....तक में अविवाहित/विधुर/तलाशुदा था/थी। (जो भी उचित हो लिखे)
4. मैं यह शपथ पत्र अपने विवाह पंजीयन हेतु पूर्ण होश–हवास बिना किसी नशे–पते, जोर जबरदस्ती, दबाव के एवं स्वस्थ चित दिमाग से दे रहा/रही हूँ।

हस्ताक्षर शपथगृहिता

सत्यापित

मैं.....उपरोक्त शपथगृहिता सत्यापित करता/करती हूँ कि शपथ पत्र की मद संख्या 1 से 4 सही एवं सत्य है इसमें कुछ भी नही छिपाया गया है अगर इसमें किसी प्रकार की भविष्य में असत्यता पायी जाती है तो मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा/रहूँगी। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक.....

हस्ताक्षर सत्यापितकर्ता

विवाह की पुष्टि हेतु शपथ पत्र

(दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अलग अलग पाई पेपर पर नोटरी से सत्यापित करवाने है।)

मैं.....पुत्र/पुत्री श्री.....जाति.....उम्र.....निवासी (पूर्ण पता).....शपथ पूर्वक बयान करता/करती हूँ किः–

1. यह है कि श्री .....पुत्र श्री.....स्थाई निवासी (पूर्ण पता).....का विवाह श्रीमती .....पुत्री श्री.....निवासी(पूर्ण पता पत्नी के पिता का).....में सभी परिजनों एवं मेहमानों के सामने पूर्ण धार्मिक विधि विधान से पाणिग्रहण संस्कार पुरोहित/पादरी/काजी द्वारा विवाह स्थल..... जिला.....राज्य.....में दिनांक.....को सम्पन्न करवाया गया थाः–

(A) इनका विवाह उपरोक्तानुसार सम्पन्न हुआ है विवाह में मैं स्वयं उपस्थित था जिसका मैं चश्मदीद गवाह हूँ। विवाह स्थल आपके क्षेत्राधिकार में आता है अतः इनका विवाह पंजीयन किया जावें।

अथवा

(B) इनका विवाह उपरोक्तानुसार सम्पन्न हुआ है विवाह में मैं स्वयं उपस्थित था जिसका मैं चश्मदीद गवाह हूँ। आवेदन के समय उपरोक्त वैवाहिक दम्पति निवास स्थान (पूर्ण पता)..... पर निवास कर रहे है इसकी मुझे जानकारी है एवं निवास स्थान आपके क्षेत्राधिकार में आता है अतः इनका विवाह पंजीयन किया जावें।

(A एवं B में से आवश्यकतानुसार कोई एक टाइप करावें)

2. मैं यह शपथ पत्र पूर्ण होश–हवास बिना किसी नशे–पते, जोर जबरदस्ती, दबाव के एवं स्वस्थ चित दिमाग से दे रहा/रही हूँ।

हस्ताक्षर शपथगृहिता

सत्यापित

मैं.....उपरोक्त शपथगृहिता सत्यापित करता हूँ कि उक्त शपथ पत्र के समस्त तथ्य मेरी निजी जानकारी में सही एवं दुरस्त है इसमें कुछ भी असत्य अंकित नही है। अगर इसमें किसी प्रकार की भविष्य में असत्यता पायी जाती है तो मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक.....

हस्ताक्षर सत्यापितकर्ता

प्रभारी अधिकारी (न्याय) अति. जिला मजिस्ट्रेट दक्षिण, जिला जयपुर के पत्रांक कोर्ट/2012/2361-63 दिनांक 10.5.2012 की अनुपालना में

<u>संकल्प पत्र</u>

मैं ..... (वर का नाम) पुत्र श्री ..... जाति .....

उम्र ..... वर्ष निवासी ..... , ... (वधू का नाम) पुत्री श्री ..... जाति ..... उम्र ..... वर्ष निवासी ..... हम संयुक्त रूप से संकल्प लेते है कि:-

1. हम दोनों शादी के पवित्र बन्धन के पश्चात प्रतिज्ञा करते हैं कि कभी भी दाम्पत्य जीवन में भ्रूण के लिंग परीक्षण नहीं कराएंगे तथा न ही कभी ऐसे अमानवीय कृत्य में किसी का सहयोग करेंगे |

2. हमारी बेटी का जन्म होने पर बेटे के समान ही पालन-पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर समान व्यवहार करेंगे | बेटा-बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेंगे |

( ) ( )

वर के हस्ताक्षर वधू के हस्ताक्षर